वार्षिक चन्दा 150 रुपए
एक प्रति 15 रुपए

चन्दे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें

संपादन एवं संचालन
एकलव्य
ई-1/एच.आई.जी. 453,
अरेरा कॉलोनी, भोपाल 462 016
फोन : 0755-463380
फैक्स : 0755-461703
ई-मेल:eklavyamp@vsnl.com

स्रोत
विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

अंक 154
नवम्बर 2001

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना

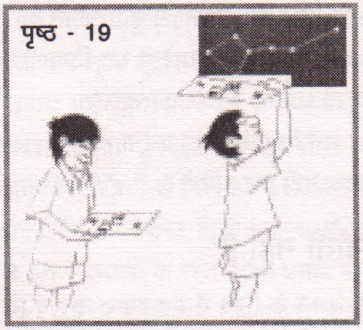

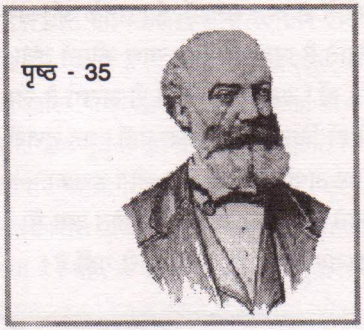

अमृत की खोज : अब दीर्घायु का जीन

क्या मुफ्त अनिवार्य शिक्षा असम्भव है? : **ज़्यां ड्रेज़** / 2

ज्योषित एक विज्ञान कैसे हो सकता है? : **डॉ. सुशील जोशी** / 7

क्या विज्ञान पुरुषवादी है? : **अरुणा दत्तात्रेयन** / 11

मानव का इतिहास, बकरियों की ज़बानी : **डॉ. बालसुब्रमण्यन** / 14

तारों को देखते रहें छत पर पड़े हुए : **पी. एन. शंकर व बी. एस. शैलजा** / 19

खेलकूद में दवाइयों का दुरुपयोग : **प्रवीण कुमार** / 23

दवाइयों की उपस्थिति का पता लगाने की एक नई विधि / 26

कैलेण्डर के विकास का इतिहास : **इ. एस. आर. गोपाल** / 28

बादलों को उड़ाने का पाउडर / 33

चमक बता देगी कि फल पक गए हैं / 34

सपनों से रसायन की बुनियाद बनाने वाले केकुले : **गोपालपुर नगेन्द्रप्पा** / 35

विज्ञान में कैरियर - मेरा चुनाव : **जयंत नार्लिकर** / 38

धरती पर जीवन की उत्पत्ति या आगमन

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.पं. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। स्रोत का मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।